Dubai Hindi

Mark 80 Time 3hrs

सूचना:१) सूचना के अनुसार गद्य ,पद्य ,पूरक पठन,भाषा अध्ययन(व्याकरण) की आकलन कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।

२) सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग कीजिए।

३) रचना विभाग में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।

४)शुद्ध,स्पष्ट एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

विभाग १: गद्य २० अंक

प्र .१ अ] परिच्छेद पढ़कर सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए। ८ अंक

शांभा – यह तीसरा आदमी है।

सरपंच – क्या नाम है तुम्हारा मोटे सेठ ?

किरोड़ीमल – हजूर मान्हे सेठ किरोड़ीमल कहवै सैं।

सरपंच – क्या काम है तुम्हारा ?

किरोड़ीमल – हजूर हम तो खानदानी सराफ हैं। म्हारा तो ईमानदारी को धंधो से। देखो जो आपने घर वास्ते कोई गहना बनवाना हो तो घर जैसी बात से। आप हुक्म करो तो कुछ बनवा कर ला दूँ थारे...।

सरपंच – बहुत जुबान चलाता है रे मोटे सेठ... ये तुम्हारी जुबान नहीं कैंची है कैंची – अरे ओ शांभा बताता क्यों नहीं रे क्या कसूर है इस भेड़िए का।

शांभा – साहब इस मोटे कंजूस सेठ ने अपने लड़के की शादी में लड़की वालों से दो लाख दहेज के माँगे। लड़की वाला इतने रूपए इकट्ठा न कर सका इसलिए इस पापी ने शादी से इंकार कर दिया। लड़कीवालों का अपमान किया और बारात वापस ले आया।

सरपंच – अच्छा। क्यों रे सेठ – पैसों से बहुत यारान लगता है।

किरोड़ीमल – हजूर, माई बाप इसमें म्हारा कोई दोष ना सा हमने लड़की वालों से कुछ नहीं माँगा... वो... वो।

सरपंच – वो वो क्या होता है ? तुमने नहीं तो किसने माँगा ?

किरोड़ीमल – हजूर वो म्हारे लड़के की माँ की जबान जरा पतली सै कहीं उसके मुँह से निकल गई होगी। म्हारे तैं कसूर हो गया। इबके न हमने छोड़ दो साहब।

सरपंच – अरे, ओ शांभा इसको सजा सुना दे नहीं तो इसका पेट यहीं पर फट जाएगा।

शांभा – हमारे प्यारे सरपंच के हुकम से इस कंजूस किरोड़ीमल को सजा दी जाती है कि यह उसी लड़की से जाकर अपने लड़के की शादी कम व्यय में करे। अपने समधी से माफी माँगे यदि इसने ऐसा नहीं किया तो जितने रूपए यह दहेज में लेगा, उतने ही कोड़े इसकी मोटी तोंद पर लगाए जाएँगे।

करोड़ीमल – मान्ह मंजूर सै हजूर।

सरपंच – जाओ ले जाओ इसको।

(पुनः ठक् ठक् के भारी कदमों की आवाज़)

सरपंच – कालिया... अरे ओ कालिया... (चिल्लाकर) अरे ओ कालिया।

कालिया – हुकम करो साहब (भागा हुआ आता है।)

सरपंच – तुम कितने आदमी लाए हो रे कालिया?

कालिया – मैं एक आदमी, सात बच्चे लाया हूँ।

सरपंच – हूँ... एक आदमी, सात बच्चे ! ठीक है एक-एक करके लाओ हमारे सामने।

कालिया – अभी लाया साहब।

१) **संजाल पूर्ण कीजिए :-** २

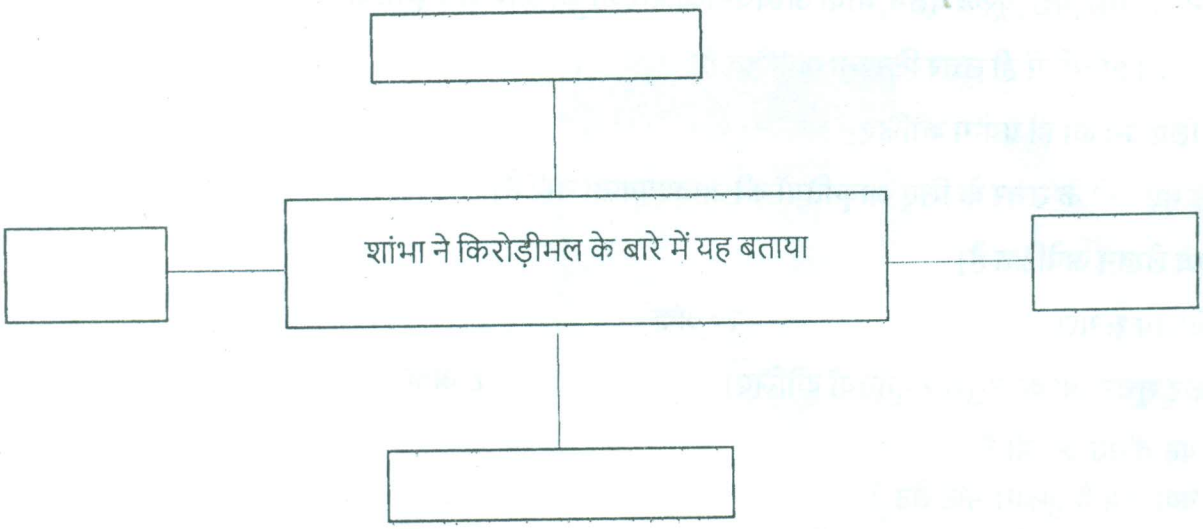

२) घटना के अनुसार वाक्यों का उचित क्रम लगाकर लिखिए। २

१} हमने लड़कीवालों से कुछ नहीं माँगा।

२}इसका पेट यहीं पर फट जाएगा।

३}बहुत जुबान चलाता है रे मोटे सेठ।

४} अरे ओ शांभा बताता क्यों नहीं रे,क्या कसूर है इस भेड़िए का ?

३) निम्नलिखित शब्दों के लिंग बदलकर लिखिए २

१} समाधी २} लड़की ३} सेठ ४} पापी

४)'दहेज़ प्रथा ' विषय पर ६ से ८ पंक्तियों में अपने विचार लिखिए। २

प्र १ आ] निम्नलिखित परिच्छेद पढ़कर सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए :- ८ अंक

कृति १] संजाल पूर्ण कीजिए:- २

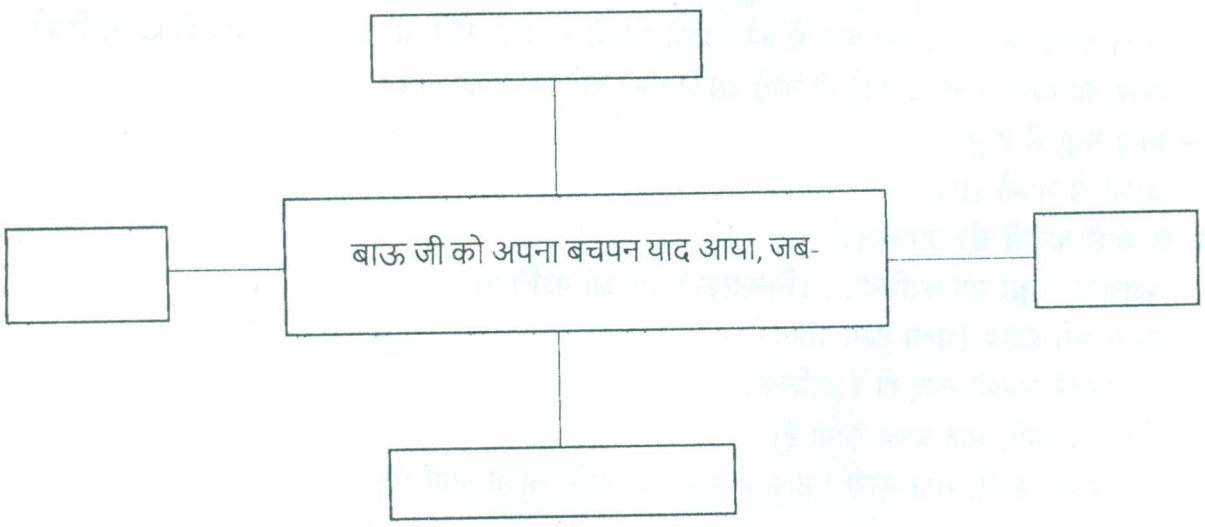

न जाने क्यों उन्हें पत्नी की सहृदयता देखकर, वह एक दिन याद आ गया...

बहुत बरस बीत गए । अब तो पिता को गुज़रे एक युग-सा ही बीत गया... जब उनके एक प्राइवेट स्कूल में अध्यापक पिता को चार महीने तक तनख्वाह नहीं मिली थी, जीवनभर की सारी बचत और गाँव की जमीन बेचने के बाद का पैसा भी माँ की लंबी चली बीमारी और उनके देहांत के बाद मृत्यु भोज में चुक गया था । दो महीने किसी तरह कर्ज लेकर काटे थे । फिर अपने सिद्धांतों के खिलाफ पिता ने कुछएक ट्यूशन कर ली थी । पर ट्यूशन का पैसा तो महीने के अंत में मिलता उसी बीच उनकी किशोरी बहन ने खाली कनस्तरों को उनके सामने कर दिया था । चारों बच्चे कुम्हलाए से रसोई में जमीन पर बैठे थे । सुबह से खाना नहीं बना था । स्कूल से लौटे पिता ने उन्हें सायकिल पर बिठाया था और उस संपन्न घर में जहाँ वे ट्यूशन पढ़ाते थे, पहुँच गए थे ।

''आज जल्दी कैसे मास्साब ?''

''बस... जी वो ।''

वे पिता के चेहरे पर पुता संकोच देख रहे थे । पिता पैसे की जरूरत को शब्दों में कहने में एकदम असमर्थ पा रहे थे । गृहस्वामी बातों के शौकीन थे सो वे पिता से राजनीति और अपने व्यवसाय की बातें करने लगे । पिता भी मन की विवशता और आत्मसम्मान के पाटों के बीच से गृहस्वामी के साथ बातें कर सहज होने का अभिनय करते रहे ।

''क्या बताएँ साहब आज की राजनीति तो महज वोटों की राजनीति है। सिद्धांतों की राजनीति पुरानी बात हो गई ।''

''ठीक कहते हैं गुप्ता जी... देखिए ना...''

इतने में उनकी पत्नी पानी लेकर चली आई ।

''मास्साब, आपके अंग्रेजी पढ़ाने का असर बिट्टू पर पड़ रहा है । उनकी टीचर कह रही थीं, वे सुधर रहे हैं । ये आपका लड़का है ? बड़ा प्यारा है । चल मुन्ना अंदर कुछ खाने को दें तुझे भी । अभी चाय भिजवाते हैं मास्साब ।''

उस सहृदय महिला के सान्निध्य में उनके पाँच वर्षीय मन ने क्या महसूसा कि धीरे-धीरे उनके आँचल का छोर पकड़कर कह दिया, ''चाची, घर में सब भूखे हैं । खाना बना ही नहीं । बाऊ जी तो रामसरूप चाचा जी से पैसा उधार लेने आए हैं ।''

कृति २] उचित जोड़ियाँ बनाइए:- २

१ गृहस्वामी	रामस्वरुप की पत्नी
२ पिता	रामस्वरुप
३अध्यापक	मास्साब
४ चाची	प्राइवेट स्कुल

कृति ३] निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए २

१} गाँव २} अध्यापक ३}स्कुल ४} देहांत।

कृति ४]'मनुष्य में सहदयता के गुण' के बारे में ६ से ८ पंक्तियों में अपने विचार लिखिए। २

प्र १ इ] निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर लगभग १०० शब्दों में लिखिए। ४

१}'बारिश की एक रात' पाठ में चित्रित उच्चवर्ग की मानसिकता स्पष्ट कीजिए।

२}सोना के प्रति लेखिका के प्रेमभाव को अपने शब्दों में लिखिए।

३)'युवाओं से' पाठ का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

विभाग :-२ पद्य **१६ अंक**

प्र २. अ] निम्नलिखित पद्यांश पढ़कर सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:- **६ अंक**

कृति १] संजाल पूर्ण कीजिए:- **२**

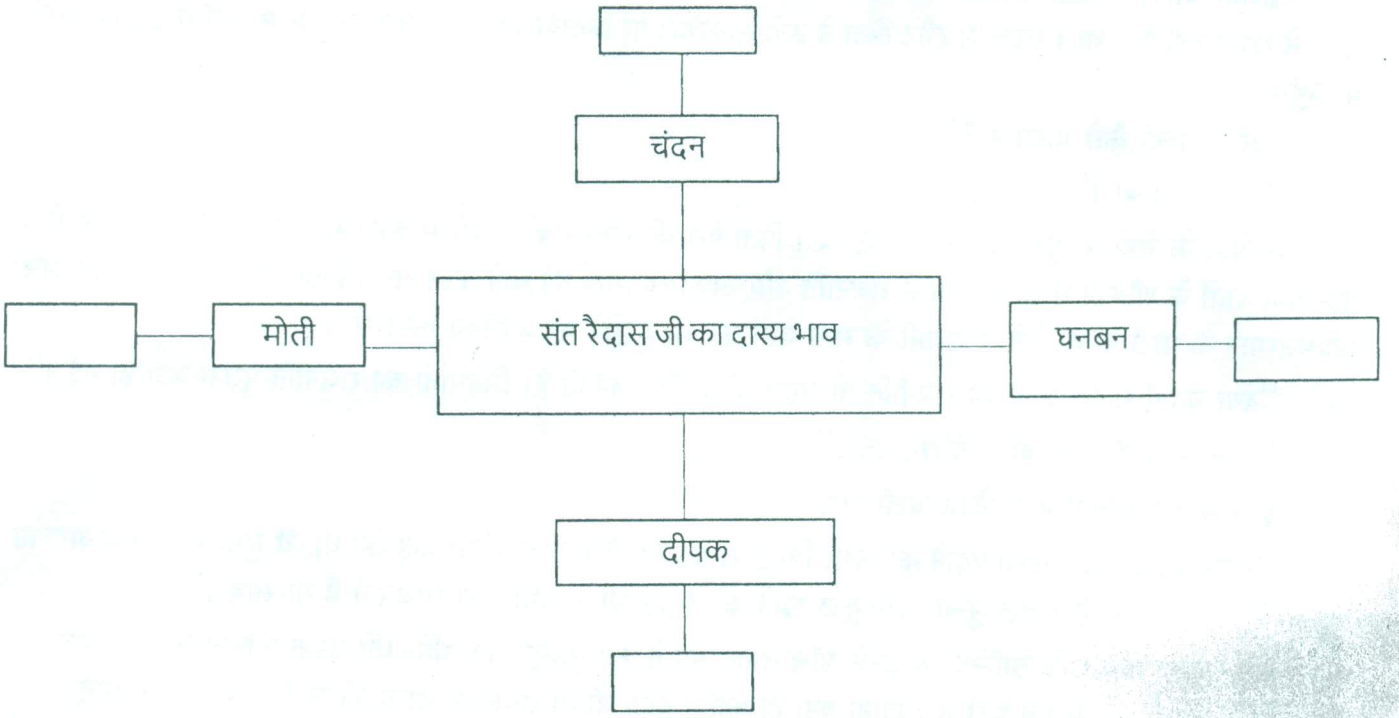

अब कैसे छूटै राम रट लागी ।
प्रभु जी तुम चंदन हम पानी,
जाकी अंग-अंग बास समानी ।
प्रभु जी तुम घन बन, हम मोरा,
जैसे चितवत चंद चकोरा ।
प्रभु जी तुम दीपक, हम बाती,
जाकी जोति बरै दिन राती ।
प्रभु जी तुम मोती, हम धागा,
जैसे सोने मिलत सुहागा ।
प्रभु जी तुम स्वामी हम दासा,
ऐसी भगति करै रैदासा ।।1।।

कृति २] आकृति पूर्ण कीजिए:- २

१}एक मूल्यवान रत्न-

२}एक मूल्यवान धातु-

३}चंद्रमा का परम प्रेमी एक पक्षी-

४}एक प्रसिध्द पेड़ की लकड़ी,जिसे घिसकर सुगंधित लेप बनता है-

कृति ३] उपर्युक्त पद्यांश का भावार्थ ६ से ८ पंक्तियों में लिखिए:- २

प्र २ आ] निम्नलिखित पद्यांश पढ़कर सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए। ६ अंक

कृति १] संजाल पूर्ण कीजिए:- २

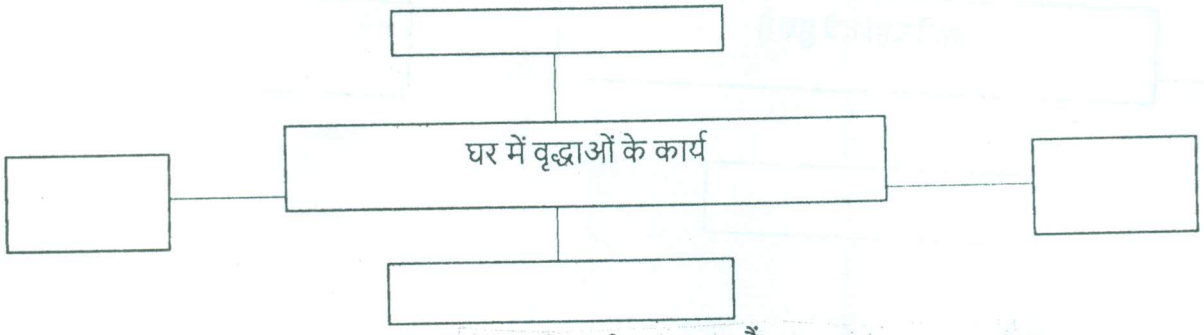

वृद्धाएँ धरती का नमक हैं,
किसी ने कहा था !
जो घर में हो कोई वृद्धा -
खाना ज्यादा अच्छा पकता है,
पर्दे-पेटीकोट और पायजामे भी दर्जी और रफूगरों के
मुहताज नहीं रहते,
सजा-धजा रहता है घर का हर कमरा,
बच्चे ज्यादा अच्छा पलते हैं,
उनकी नन्ही-मुन्नी उल्टियाँ सँभालती
जगती हैं वे रात-भर,
उनके ही संग-साथ से भाषा में बच्चों की
आ जाती है एक अजब कौंध
मुहावरों, मिथकों, लोकोक्तियों,
लोकगीतों, लोकगाथाओं और कथा-समयकों की।

कृति २] उचित जोड़ियाँ बनाइए:- 2

१} पेटीकोट	अच्छा
२}कमरा	पलना
३}खाना	दर्जी
४}बच्चे	सजा-धजा ।

कृति ३] प्रस्तुत पद्यांश का भावार्थ अपने शब्दों में लगभग ६ से ८ पंक्तियों में लिखिए २

प्र २ इ]निम्नलिखित पद्यांश पढ़कर सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:- ४ अंक

कृति १] संजाल पूर्ण कीजिए:- २

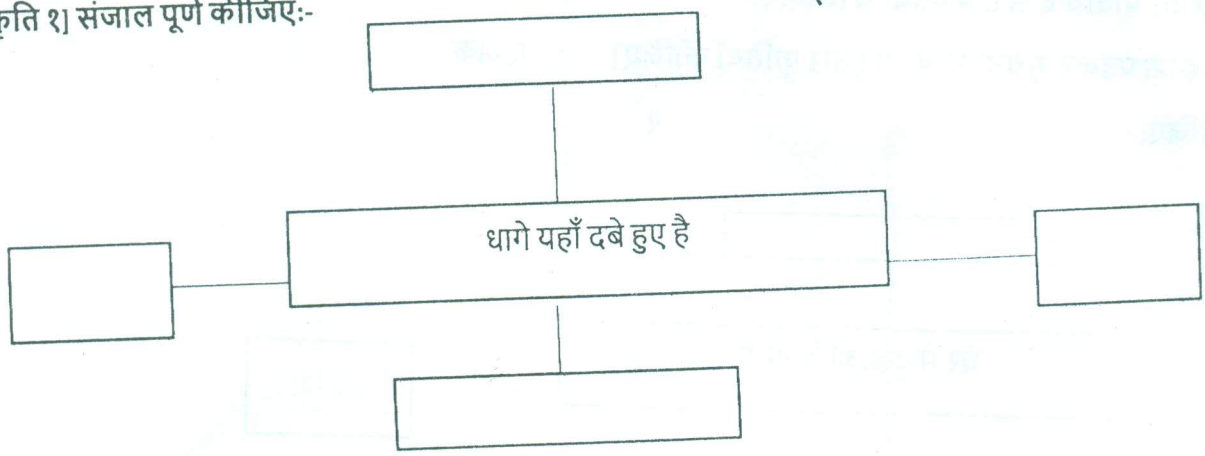

उठो,
झाड़न में
मोज़ों में
टाट में
दरियों में दबे हुए धागों उठो
उठो कि कहीं कुछ गलत हो गया है

उठो कि इस दुनिया का सारा कपड़ा
फिर से बुनना होगा

उठो मेरे टूटे हुए धागों
और मेरे उलझे हुए धागों उठो

उठो
कि बुनने का समय हो रहा है

कृति २] उपर्युक्त पद्यांश का भावार्थ ६ से ८ पंक्तियों में लिखिए:- २

विभाग :-३ द्रुतवाचन १० अंक

प्र ३ निम्नलिखित परिच्छेद पढ़कर सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: ६ अंक

कृति १)संजाल पूर्ण कीजिए २

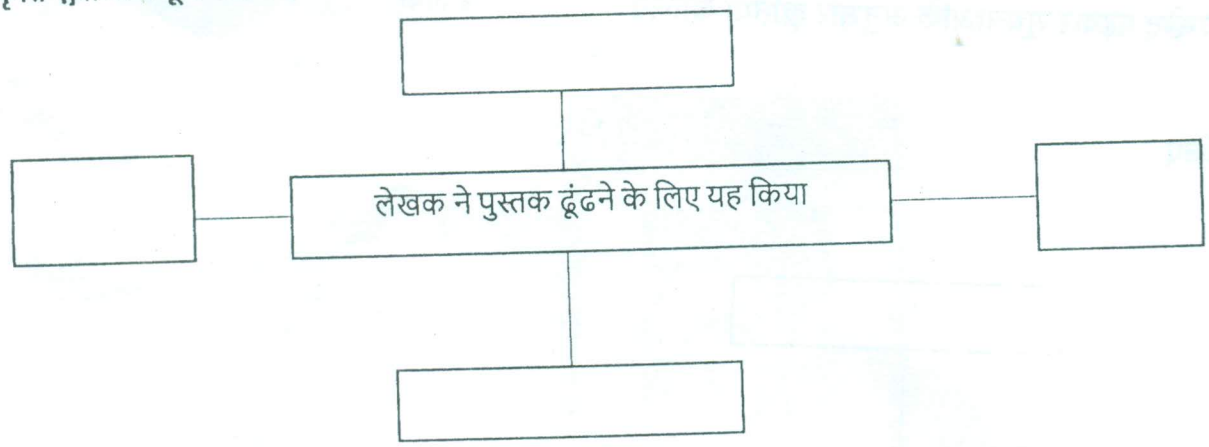

यदि इस बात पर भी आपको क्रोध न आए तो आप संसार में रहने योग्य नहीं हैं। आप कुछ बोलना ही चाहते हैं कि आपकी आँख घड़ी पर पड़ती है। आप देखते है कि बहुत विलंब हो गया है। ऐसे समय विवाद करना अच्छा नहीं। इसी समय पुत्र या भाई किसी काम से बाहर जाता है। आप पेंसिल के ढूँढ़ने का भगीरथ प्रयत्न कर रहे हैं। दो मिनट के पश्चात पुत्र या भाई आकर फिर पूछता है, ''अब भी पेंसिल नहीं मिली ?''

आप इस बार भी क्रोध को दबाए रहे। फिर दूसरा प्रश्न, ''कहीं कोट में तो नहीं रही ? उसे तो अम्मा ने धोबी के यहाँ भेज दिया।''

''नहीं मैंने आज, नहीं अभी, आधा घंटा पहले उससे लिखा है। बैंगनी रंग की पेन्सिल थी। चार आने की थी।''

''अरे, ठीक याद आया। उसे मैं पानी में भिगोकर टीका लगाने ले गया था। अभी लाया।'' यह कहकर पुत्र या भाई चला जाता है। ऐसे समय आपके मन की दशा कैसी होगी, यह आप स्वयं अनुमान कर लें।

एक बार मैंने नई पुस्तक मोल ली। दूसरे दिन घर का कोना-कोना छान डाला। रसोईघर भी न छोड़ा। घर-भर के सभी लोगों ने हलचल मचा दी। ढूँढ़ते-ढूँढ़ते कई दवातें उंड़ेल दी, औषधि की शीशियाँ फोड़ दी, जिन पत्रों का उत्तर देना रह गया था, उन्हें पुरानी चिट्ठियों में और जो पुरानी थी उन्हें नई चिट्ठियों में मिला दिया; पुस्तकों की पेटियों में कपड़े, और कपड़ों की पेटियों में पुस्तकें डाल दी। सब कुछ किया, पर पुस्तक न मिली। परीक्षा निकट थी। फिर दूसरी पुस्तक मोल लेने लपका। कुछ दूर जाने पर मन में आया कि एक बार फिर घर में जाकर खोज आऊँ। लौट आया। ऊधम और हलचल फिर दूसरी बार हुई। अंत में निराश होकर फिर हाट गया। पुस्तक-विक्रेता ने कहा, ''वाह ! आप भी बड़े विचित्र जीव हैं। कल पुस्तक ली थी, दाम दिए और पुस्तक यहीं छोड़कर चलते बने।''

यह सुनकर मेरे मन में जो प्रसन्नता हुई उसके लिए मैं कुछ रुपए भी व्यय करने को प्रस्तुत-सा हो गया।

कृति २) विधानों के सामने सत्य/असत्य लिखिए २

१)आप नहीं देखते कि बहुत विलंब हो गया है।

२)आप पेंसिल को ढूँढ़ने के भगीरथ प्रयत्न कर रहे है।

३) आप इस बार भी क्रोध को दबाए रहे।

४)बैगनी रंग की पेंसिल आठ आने की थी।

कृति ३] 'जब आपकी कोई चीज गुम हो जाती है,तो आप क्या करते हैं?' इस विषय पर ६ से ८ पंक्तियों में अपने विचार लिखिए: २

प्र ३ आ] निम्नलिखित परिच्छेद पढ़कर सूचनाओंके अनुसार कृतियाँ कीजिए ४ अंक

कृति १] संजाल पूर्ण कीजिए २

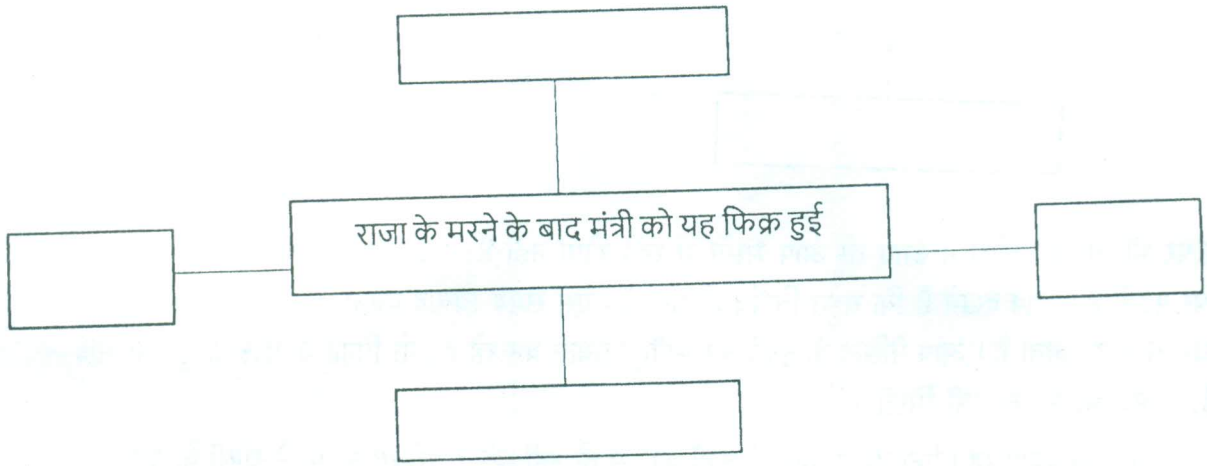

किसी समय एक देश में एक राजा राज करता था। उसके कोई संतान नहीं थी। राजा बूढ़ा हो गया था। मंत्री ने राजा को सलाह दी : 'राजन आप किसी होनहार बालक को गोद ले लें। वह आपके बाद आपका राज-काज सँभालेगा।'

राजा बोले : "भगवान नहीं चाहते कि इस देश के राजसिंहासन पर मेरे वंश का राज रहे। मैं भगवान की मरजी के खिलाफ काम नहीं करना चाहता।"

देश के दूसरे सयाने लोगों ने भी राजा को समझाया मगर राजा ने सबको यही जवाब दिया : "मैं भगवान की मरजी के खिलाफ कुछ नहीं करना चाहता।"

कुछ दिनों बाद राजा चल बसा। मंत्रीजी को फिक्र हुई, अब कौन राज-काज सँभाले? कौन राजा बने? वह खुद बहुत बूढ़े थे। राज-काज से अब वह भी छुटकारा चाहते थे। मगर इसके पहले किसी चतुर आदमी के हाथ में वह राज-काज सौंप देना चाहते थे। ऐसा चतुर आदमी आखिर कहाँ मिले, कैसे मिले? मंत्री इसी सोच में थे। उन्होंने कुछ चतुर-सयाने लोगों से सलाह ली पर कोई ठीक राय न दे सका। मंत्री सब तरफ से निराश हो गए। कुछ सूझ नहीं रहा था, क्या करें? राजा का चुनाव साधारण काम तो था नहीं... राज्यभर की जनता के हित-अहित का सवाल था। कहीं किसी ग़लत आदमी को राजा चुन बैठे तो राज बरबाद हो सकता था। मंत्री को यह सवाल नामुमकिन जान पड़ने लगा।

तो क्या वह सवाल सचमुच ही नहीं सुलझा?

नहीं, वह एक दिन अचानक ही सुलझ गया।

उस दिन मंत्री महल के पीछे सरोवर के किनारे टहल रहे थे। वह जगह सुहावनी और सुनसान थी। मंत्री को जब कोई गहरी बात सोचनी होती थी तब वे वहीं चले जाते थे। उस दिन भी वे वहाँ नया राजा चुनने के बारे में सोचने गए थे।

कृति २] सही विकल्प चुनकर वाक्य फिरसे लिखिए २

१}राजा _____ की मरजी के खिलाफ काम नहीं करना चाहता था [परिवार/भगवान/मंत्री]

२}_____ के दूसरे सयाने लोगों ने भी राजा को समझाया ।[देश/समाज/घर]

३}मंत्री महल के पीछे _____ के किनारे टहल रहे थे। [झील/नदी/सरोवर]

४} मंत्री को यह सवाल _____ जान पड़ने लगा। [नामुमकिन /असंभव/सरल]

विभाग ४ व्याकरण **१० अंक**

प्र ४ अ] निम्नलिखित वाक्यों में से किन्ही दो वाक्यों के काल-परिवर्तन करके वाक्य फिरसे लिखिए। २

१]नौकर ने भाई साहब का पत्र लाकर दिया ।[पूर्ण भूतकाल]

२} मीथेन पानी की भूमिका अदा करती हैं ।[सामान्य भविष्य काल]

३} शनि सूर्य का चक्कर लगाता है ।[अपूर्ण वर्तमानकाल]

आ] निम्नलिखित वाक्यों में से किन्ही दो वाक्यों के रचना के अनुसार भेद पहचानकर लिखिए २

१} बहुत से मनुष्य सुख का अर्थ नही समझते।

२}उसे अब काम नहीं करना पडेगा और मजे में दिन काटने का अवसर मिलेगा।

३} मैंने निश्चय किया की अब हिरन नहीं पालूँगी।

इ] निम्नलिखित मुहावरों में से किन्ही दो के अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए। २

१} चकमा देना।

२}ईद का चाँद होना ।

३}आँखे दिखाना ।

४} हाथ पर हाथ धरे बैठना।

ई] निम्नलिखित में से किसी एक शब्द का भाववाचक संज्ञा-रूप लिखिए। १

१}थपथपाना २} नेता

उ] निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द का विशेषण-रूप लिखिए। १

१} विकास २} जहर

ऊ] निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके वाक्य फिरसे लिखिए २

१} उसका तीन मासूम बच्चा बैठे थे।

२} पर्यावरण को बचाणा चाहिए।

३}भारत के पुनरूत्थान होंगे।

विभाग :-५ रचना विभाग २४ अंक

प्र. ५ निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग २५० से ३०० शब्दों में निबंध लिखिए। १० अंक

१} आँखों देखी दुर्घटना।

२}बढ़ती जनसंख्या -एक समस्या।

३}मोबाईल और आज का छात्र।

४}किसान की आत्मकथा।

५}यदि विज्ञान न होता.....।

प्र ६ अ] पत्रलेखन ५

निम्नलिखित विषय पर पत्र का प्रारूप तैयार कीजिए

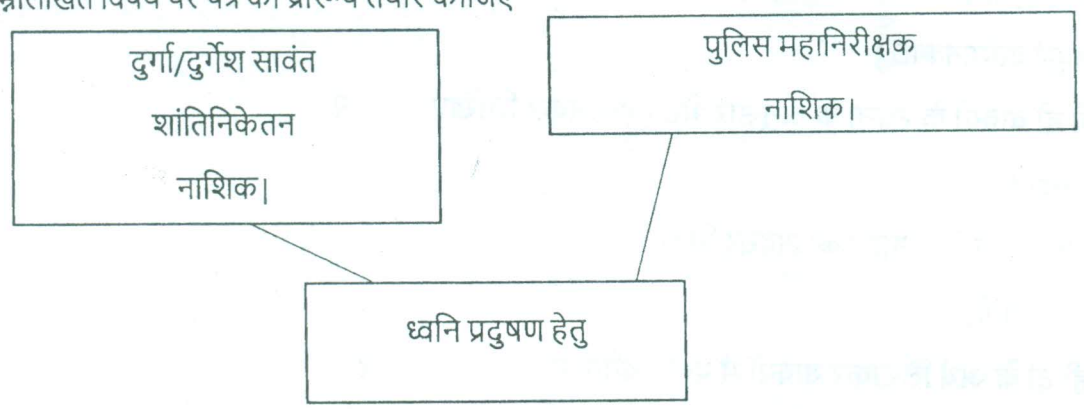

अथवा

अ] वृत्तांत लेखन कीजिए:-

अपने महाविद्यालय के वृक्षारोपण समारोहण का वृत्तांत लिखिए।

आ] निम्नलिखित गद्यखंड ध्यान से पढ़िए और उस पर आकलन हेतु केवल पाँच प्रश्न तैयार कीजिए: ५

ईर्ष्या का संबंध प्रतिद्वंद्विता से होता है, क्योंकि भिखमंगा करोड़पति से ईर्ष्या नहीं करता। यह एक ऐसी बात है जो ईर्ष्या के पक्ष में भी पड़ सकती है, क्योंकि प्रतिद्वंद्विता से भी मनुष्य का विकास होता है। किंतु, अगर आप संसार-व्यापी सुयश चाहते हैं, तो आप रसेल के मतानुसार, शायद, नेपोलियन से स्पर्धा करेंगे। मगर, याद रखिए कि नेपोलियन भी सीजर से स्पर्धा करता था और सीजर सिकंदर से तथा सिकंदर हरकूलस से, जिस हरकूलस के बारे में इतिहासकारों का यह मत है कि वह कभी पैदा ही नहीं हुआ।

ईर्ष्या का एक पक्ष, सचमुच ही लाभदायक हो सकता है, जिसके अधीन हर आदमी, हर जाति और हर दल अपने को प्रतिद्वंद्वी का समकक्ष बनाना चाहता है; किंतु यह तभी संभव है, जब कि ईर्ष्या से जो प्रेरणा आती हो, वह रचनात्मक हो। अक्सर तो ऐसा ही होता है कि ईर्ष्यालु व्यक्ति यह महसूस करता है कि कोई चीज है, जो उसके भीतर नहीं है; कोई वस्तु है, जो दूसरों के पास है; किंतु, वह यह नहीं समझ पाता कि इस वस्तु को प्राप्त कैसे करना चाहिए, और गुस्से में आकर वह अपने किसी पड़ोसी, मित्र या समकालीन व्यक्ति को अपने से श्रेष्ठ मानकर उससे जलने लगता है। जब कि वे लोग भी अपने-आपसे, शायद, वैसे ही असंतुष्ट हों।

अथवा

आ] नौकरी के लिए साक्षात्कार का नमूना तैयार कीजिए

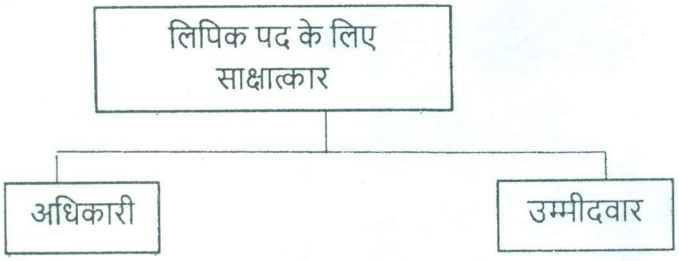

इ] निम्नलिखित में से किन्ही चार पारिभाषिक शब्दों के लिए हिन्दी शब्द लिखिए: ४

1]governor 5]tax

2]commission 6]stay

3]satellite 7]orbit

4]network 8]reservation

अथवा

इ] विज्ञापन तैयार कीजिए।

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर विज्ञापन का प्रारूप तैयार कीजिए।